जेवर
हिमाचल की महिलाओं के आभूषण

समुदाय / Community:
लोक / Folk

आरोहण क्रमांक/ Accession No.:
1) 99.363; 2) 2007.744; 3) 99.320

संकलन स्थान/ Place of collection :
चम्बा एवं कुल्लू, हिमाचल प्रदेश/
Chamba and Kullu, Himachal Pradesh

परिचय

हिमाचल में आभूषण अक्सर चाँदी के बने होते है क्योंकि सोना एक बहुमूल्य एवं दुर्लभ धातु है। कुछ आभूषण विशेष अवसरो पर ही पहने जाते हैं जब कि कुछ आभूषण रोजमर्रा के उपयोग में लायी जाती है हिमाचली महिलाओं का प्रेम आभूषणो के प्रति जग जाहिर है। यह उनके सामाजिक स्तर का भी सूचक है, क्योंकि इसे स्त्री–धन भी कहा जाता है और इसे सुहाग का भी प्रतीक माना जाता है, महिलायें निश्चय ही आभूषणों को हमेशा पहनती है। शादी के उत्सव में सभी आभूषणों को हमेशा पहनती हैं, और अपने को सिर से पैर तक अलंकृत करती है। अपने को आभूषणो से महिलायें जुदा करने की सोच भी नही सकती है केवल जब कभी किसी की मृत्यु हो जाती है, तभी कुछ दिनों तक आभूषणों को धारण नही करती है।

Jevar
Ornaments of Himanchali women

Introduction

Silver ornaments in Himalaya belt is mainly consisted of silver, as gold has been a rare and precious metal. There are ornaments which are meant for special occasions while some of the others are for daily use. The love of Himanchali women for ornaments is well known. It is a symbol of her status; it is called Stree Dhan and a symbol of Suhag (married bliss) .The women, of course wear ornaments profusely and during the festival of marriage they bring out all their ornaments and decorate themselves from head to toe. She will never accept parting from them. It is only in case of death, when she doesn't wear any ornaments.

आभूषण एवं अलंकरण

1. मुरखुली – यह कान का मुख्य आभूषण है इसकी नक्कासी बहुत खूबसूरत होती है यह बाली ढली हुई चॉदी के तार से बनी होती है जिसमे चारो तरफ एक पतली चॉदी की तार ६ ुमावदार रूप में लगी होती है। यह मुख्यत; कान के निचले भाग में पहनी जाती है।
2. माला – यह हॅसिया के आकार का हार होता है । यह चॉदी के चादर से बनी होती है। इसके दोनो सिरे गोलाकार आकृति के साथ में घुन्डीनुमा होती है इसके बीच का भाग मोटा होता है। जिसमे कुछ गुरिया माला से जुड़े होते है।
3. चटटा – यह मस्तक का मुख्य आभूषण है, इसके पटट्े के केन्द्र मे एक लटकन होती है जो कि त्रिकोण होती है इसमे छोटे-छोटे घुॅघरू एवं पत्तियों की आकृतियाँ भी संलग्न होती है।

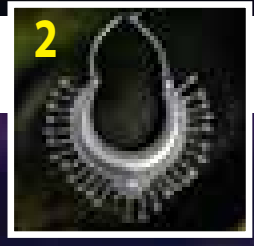

2007.744

Ornaments & Ornamentation

1. MURKHULI - The main ear ornament is an ear ring with beautiful decorative work done on it. The ear ring is made of a moulded silver coil around which a thin silver wire run in spiral form. It is normally worn on lobes of the ears.
2. MALA - Mala is a cresicent shaped necklace. It has no loose parts and is made out of broad silver sheet. Its two ends are shaped in the form of a round knob. The central portion of mala is comparatively thick.
3. CHATTA - The main ornament for forhead is Chatta. It has central pendent in trangular shape provided with small giggling bells attached to its lower parts.

कार्यस्थल : निर्माण की प्रक्रिया / Workplace : Making Process

प्रायः कार्यस्थल एक ऐसे बरामदे या कमरे को बनाया जाता है जिसमें पर्याप्त सूर्य की रोशनी आती हो। सुनार के औजार अनोखे तरह के होते है। जिसमें निहारी का आधा हिस्सा जमीन में या लकड़ी में धँसा होता है, सुनार के सामने कई तरह के छोटे-छोटे औजार होते है इनमें मुख्यत; धोरनी, पीतल, लोहा और लकड़ी के कुन्दे, मिटट्री, मिटट्री का घरिया, छिलने वाला, सॉचे, छेद करने वाला, रेती, निशान बनाने वाला, हथौड़ा, मिटट्री तेल की चिमनी, लकड़ी का हथौड़ा, कैची, सॉचा एवं एक लम्बी पतली गर्म हवा फेंकने वाली नली होती है। जो पिघले हुऐ धातु को ढाला करती है। जिसमे कि लम्बी छड़ी, आरी, कैची, लोहे की नक्काशी करने वाली प्लेट जिसमें अलग-अलग आकार के छेद को ढाला जाता है। सभी औजार सुनार के पहुँच में होते है ताकि वह कार्य करते समय औजारों को जल्दी-जल्दी उपयोग कर सके। कभी-कभी इन औजारो को रखने के लिये खाने बने होते है, या दीवार पर टॅगे होते है। इसके अतिरिक्त लकड़ी या टिन की पेटी में भी औजारो को रखा जाता है सूर्यास्त के बाद कार्य समाप्त होने पर सुनार इन औजारो को इनमें रख देता है। बहुत कम होता है कि सुनार दिये की रोशनी मे कार्य करे।

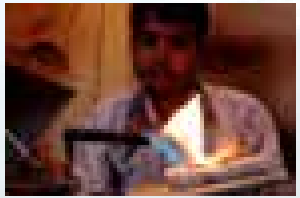

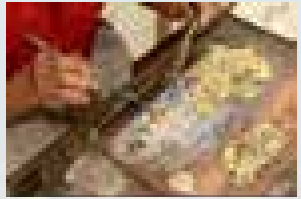

Normally workshop is set up in a verandah. A room may be well exposed to day light. The essential implements of a goldsmith's workshop are the typical forge and an anvil, pitched into the ground or into a portable wooden block. There are a number of small tools. These may include bellows, blow pipes, brass iron, and wooden blocks, clay crucibles, chisels, dies, driller, files, impression pens, hammers, kerosene lamp, mallets, pincers, reja- a long narrow trough to mould the melted metal into a long bar, saws, scissors, steel drawing plates bearing holes of different sizes, and tongs. All these tools are within his easy reach and are used frequently. Sometimes there is a shelf or a hanger fixed on the wall, on which some of the tools are placed. In addition there may be a wooden or a tin box, used for keeping the tools. When the work is over at sunset, tools are kept in it. rarely do goldsmiths work under the light of a wick lamp.